भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

28 डिसेम्बर 2022

कम्युनिस्ट पार्टी आफ फिलिप्पीन्स के संस्थापक चैर्मन कामरेड जोस मारियो सिसान को लाल सलाम!
हमारे क्रांतिकारी कार्य को दोगुणा करते हुये विश्व समाजवादी क्रांति को पूरा करने के दिशा मे आगे बढ़े!

विश्व समाजवाद क्रांति के नेता, कम्युनिस्ट पार्टी आफ फिलिप्पीन्स के संस्थापक चैर्मन कामरेड जोस मारियो सिसान की शहादत विश्व क्रांति मे ना भरने वाली नुकसान है। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय कमेटी कामरेड सिसान को विनर्म क्रांतिकारी श्रद्धांजलि अर्पित करती है। विश्व समाजवादी क्रांति को सफल बनाने के लिये अधिक प्रयास करने की विश्व के सर्वहरा वर्ग को आह्वान देती है। सीपीपी, एनपीए, एनडीएफ के समुचे केडरो, फिलिप्पीन्स क्रांतिकारी जनता, और कामरेड सिसान के बंध मित्रुओं को संवेदना अर्पित करती है। का जामा नेदरलाण्ड्स मे एक्साइल मे थे, और उन के स्वास्थ्य बिगडने के चलते 15 दिन तक हास्पटल मे भर्ती रहे और उनहोने एट्रेच मे 2022 डिसेम्बर 16 के रात को आखरी सांस ली। वह 83 वर्ष के थे।

कामरेड सिसान पेहले पिडि के माओवादी मे से एक थे जो मार्क्सवाद–लेनिनवाद जिसे कामरेड माओ त्से तुंग ने मार्क्सवाद–लेनिनवाद–माओवाद मे विकसित किया, उस सिद्धांत को विश्व समाजवाद क्रांति के मार्गदर्शन के लिये अपनाया। उनहोने मालेमा को फिलिप्पीन्स मे लागू किया, और 50 साल के पहले सीपीपी को स्थापना की। उनहोने संस्थापक चैर्मन की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेली। साम्राज्यवादी आक्रमण फिलीप्पीन्स मे स्पानिश उपनिवेशवाद के सात आरंभ हुई थी। द्वीप समूह फिलिप्पीन्स देश मे अमेरिका अपनी मिलिटरी बेस केम्प को विस्तार किया। जब अमेरिका ने अपनी गीदवाली आंख फिलिप्पीन्स मे डाली, तब से फिलिप्पीन्स अमेरिका साम्राज्यवाद के पंजो मे फस गया है। कामरेड सिसान ने ये साबित की, अर्थ उपनिवेशक, अर्थ सामंती फिलिप्पीन्स देश मे माओवादी जनयुद्ध ही एक मात्र रास्ता है उससे अर्थ उपनिवेशक, अर्थ सामंती व्यवस्था से स्वतंत्र करने मे। उनहोने फिलिप्पीन्स आंदोलन को पार्टी, सैनिक और संयुक्त मार्चा के क्षेत्रों मे विकसित किया। विश्व के सारे माओवादी पार्टीयों के सात रिस्ता स्थापना करने मे सिसान ने उस की जिम्मेदारी उठाई। कामरेड सिसान जो विश माओवादी ताकतों के लिये खडे रहते ते, उनका निधन समाजवादी क्रांति मे नुकसान जल्दी भरपाई नही होनेवाली है।

कामरेड सिसान की जन्म एक सामंती परिवार मे 8 फरिवरि 1939 मे हुआ। उनहोने उच्छ शिक्षा की पढ़ाइ की। पेहले अंग्रेजी के अध्यापक बाद मे राजनीतिक विज्ञान के अध्यापक के तौर पे उनहोने काम किया। वह दौर था जब अमेरिका साम्राज्यवाद के खिलाफ जनता मे तीव्र आक्रोश पनप रहा था। उस समय मे फिलिप्पीन्स को आजाद करने के लिये बहुत सारे मार्ग को तलाश की जा रही थी। यह सब विचार कामरेड सिसान को पार्टिडो कम्युनिस्टा इंग फिलिप्पीन्स मे 1964 मे भर्ती होने के लिये प्रेरणा की। उनहोने नवजवान संगठन मे जो 1964 मे स्थापित हुइ थी, उस मे सक्रिय से काम करने लगे। और नेषनलिस्ट यूत की जिम्मेदारी लेली। बाद मे उनहोने मूवमेंट फर द एड्वान्समेंट आफ नेषनलिजम की जिम्मेदारी भी उठाई। मार्कोस के तानाषाही के खिलाफ और अमेरिका का वियतनाम पर आक्रमण का विरोध भी करते हुये उनहोने बहुत सारे आंदोलन को खडा किये।

हालंकी कामरेड सिसान को समझमे आया की, पार्टी संशोधनवादी है, और उस से अलग होगये। उनहोने सच्चे कम्युनिस्ट ताकतों को संगठित करके 26 डिसेम्बर 1968 मे सीपीपी की स्थापना की। उनहोने माओवादी दृष्टिकोण को समझते हुये उनहे यह ज्ञात हुआ की जनता उपनी आजादी जन सेना के बिना नही कर

सकती। और उस के लिये 29 मार्च 1969 को न्यू पीपुल्स आर्मी की स्थापना की। कामरेड सिसान मात्र 27 साल की उम्र मे ही फिलिप्पीन्स आंदोलन के नेता बने। उस समय से उनहोने फिलिप्पीन्स आंदोलन को अपने शहादत होने तक आगे लेगये।

कामरेड सिसान यह समझे की सिद्धांत आचरण के लिये अनिवार्य है। और फिलिप्पीन्स समाज को मालेमा दृष्टिकोण से अध्ययन की। उनहोने कई विश्लेषणात्मक लेख, और किताबे लिखे उपनाम अमाडो गेरेरो से। उनहे एक मार्क्सवादी बुद्धिजीवि की पेहचान मिली जब उनहोने 1967 मे 'स्ट्रगल फर नेषनल डेमोक्रसी' की प्रकाशित की। 1993 मे कामरेड सिसान ने 'फिलिप्पीन्स सोसाइटी–रिवल्यूशन' की रचना की जिस मे उनहोने फिलिप्पीन्स इतिहास, और समाज को विश्लेषण किया। उस समय के सरकार ने उस पुस्तक पर प्रतिबंध लागू किया। सिद्धांत और आचरण की अच्चे सम्मिश्रण करते हुये फिलिप्पीन्स आंदोलन को आगे लेगये।

कामरेड सिसान अंतर्राष्ट्रीय कम्युनिस्ट ताकतों को संगठित करने मे अहम योगदान दिया। आधुनिक संशोधनवाद जैसा प्रचण्डा, बाब अवाकियन के विरोध मे संघर्ष किया। इंटरनेषनल लीग फर पीपुल्स स्ट्रगल्स के नेता होते हुये कामरेड सिसान ने साम्राज्यवाद विरोधी, और राष्ट्रीयता मुक्ति आंदोलन को समन्वय की जिम्मेदारी भी निभाई। सीपीपी ने इस साल कामरेड सिसान के लेखों को 11 वाल्यूम्स जो दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, कला साहित्य, जन लोकतांत्रिक क्रांति और अन्य मुद्दे पे विश्लेषण करता है उसे प्रकाशित किया है। विश्व के माओवादी ताकतों को इन लेखन को अध्ययन करना चाहिये और मालेमा को ठोस परिस्थिति मे लागू करना चाहिये। कामरेड सिसान ने मार्क्स, एंगेल्स, लेनिन, स्तालिन और माओ की योगदान को परिक्षित करने मे महत्वपूर्ण योगदान दिये। उनहोने सैद्धांतिक और राजनीतिक नेतृत्व विश्व के सर्वहरा वर्ग को प्रदान किये है। फिलिप्पीन्स के अलावा कामरेड सिसान ने विश्लेषणात्मक लेख दुनिया भर की आर्थिक, राजनीतिक परिस्थिति पर लिखी। यह सब लेख विश्व के माओवादी ताकतों को शोषक वर्ग के प्रतिकूल परिस्थिति को, और क्रांति के अनुकूल परिस्थिति को समझेने मे बहुत ही मदतगार स्थापित हुई है।

कामरेड सिसान और उन के जीवनसाथी कामरेड जूलियेट को मार्कोस सरकार ने 1977 को गिरफतार किया। तानाषाही मार्कोस कामरेड सिसान को स्वयम पूचताच और उन पर यातना संचालित की। विश्व भर की ओंदोलन ने सरकार पर दबाव डाला जिस के तहत कामरेड सिसान को न्यायालय मे पेश किया गया। कामरेड सिसान 9 साल तक जेल मे खैद रहे। कामरेड सिसान को एक दिन मे 20 घंटे तक एक अंघेरे कमरे मे एक काट के सात बांद कर सैनिक खैद मे बंदी बनाकर रखा गया जो फिलिप्पीन्स के राजधानी शहर के सरहद मे था।

इस समय के दौरान लोतांत्रिक विद्रोह मार्कोस के तानाषाही के खिलाफ आरंभ हो चुकी थी। 1986 मार्च को नई सरकार सत्ता मे आई। यह सरकार ने सीपीपी के सात शांति वार्ता की प्रक्रिया को शुरू किया। इस समय मे सीपीपी ने देश मे एक मजबूत ताकत के रूप मे उभरी। तब कामरेड सिसान ने फिलिप्पीन्स क्रांतिकारी आंदोलन के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन पाने के लिये विश्व की दौरा की। जब ओ नेदरलाण्ड्स मे थे तब फिलिप्पीन्स की सरकार उन के पासपार्टी को रद कर दिया। यह 1988 सेतेम्बर का समय था। उन पे देशद्रोह के फर्जी मामले दर्ज हुये और उनहोने उपने ही देश मे रहने की अधिकार से वंचित किया गया। उस समय से कामरेड सिसान एक राजनीतिक एक्साइल के रूप मे नेदरलाण्ड्स मे रह रहे थै। उनहोने आंदोलन को नेदरलाण्ड्स से मार्गदर्शन दी। 2002 अगस्ट मे अमेरिका सरकार ने कामरेड सिसान को उग्रवाद के समर्थक के तौर पे घोषित किया। इस के तहत नेदरलाण्ड्स के सरकार ने उनहे परेशान करना शुरू की। 2009 मे ईयू ने भी आतंकवाद के श्रेणि मे उन को रखा। अंतर्राष्ट्रीय कम्युनिस्ट आंदोलन और भाइचरा ने कामरेड सिसान को वहा रहने मे मदद की। फिलिप्पीन्स आंदोलन मे जो तेजी से प्रगति हो रही थी, 1988 के दौरान तब वाम संकीर्णता रूझान उत्पन हुई थी। कुच सालो बाद दक्षिणपंथी रूझान भी उत्पन हुई। यह रूझान आंदोलन को भारी नुकसान पहुंचा दी। कामरेड सिसान ने इस रूझान के खिलाफ सैद्धांतिक राजनीतिक विरोध करते हुये भूल सुदार आंदोलन को लागू की और पार्टी को कायम रखा। इस भूल सुदार के आंदोलन के तहत पार्टी, एनपीए, मास आर्गनाइजेशन, और एनडीएफ को बहुमूल्य ताकत प्रप्त हुई। इस आंदोलन की कामियाबी ने पार्टी को आगे की तरफ बढ़ाया। आगे बढ़ने की प्रक्रिया मे, सशस्त्र संघर्ष, गुरिल्ला बेस और गुरिल्ला जोनों बिना देश को स्वतंत्रा नही प्रप्त नही हो सकती। यह स्पष्ट समझदारी से पार्टी ते एनपीए को शक्ति प्रदान की। उस ने नेषनल डेमोक्रटिक फ्रंट को एक संयुक्त मोर्चा के रूप मे स्थापित की और उसे विस्तार रूप से मजबूती प्रदान की। उस मे अनेक उत्पीडित वर्ग, तबको, और इलाको जैसे लुमोड, मोरो, और कार्डिल्लेरा को एक झूट की।

1970 के 'ओप्लान बयनिहान' केंपेन से 2011 के 'ओप्लान बयनिहान' केंपेन तक फिलिप्पीन्स सरकार ने कई कार्यक्रम फिलिप्पीन्स क्रांतिकारी आंदोलन को खतम करने मे लागू किये है। 2018 से हवाई बंबारी जारी है। कामरेड सिसान ने सीपीपी को सही नेतृत्व को प्रदान की है और फिलिप्पीन्स के क्रांति को इस कठोर दमन मे क्रांति को आगे ले जाना विश्व सर्वहरा आंदोलन के लिये प्रेरणा देती है।

कामरेड सिसान एक कवि थे। उनहोने कहा था की, वह आजादी के ऊपर गीत लिखा करते थे जिस के जरिये वह तानाशाही और जेल की जीवन से उभर ने के लिये गीत लिख ते थे। कामरेड सिसान ने यह कहा है की दुश्मन के ऊपर जंग के सार से इनसान एक योधा बनजाता है।

असली श्रद्धांजलि इस महान नेता को तभी होता है जब सारे माआवादी पार्टीओं के बीच भाइचरा और समन्वय विकसित हो। साम्राज्यवाद बहुत ही गहरे संकट मे घुस गया है। ये संदर्भ मे जब जनता और राष्ट्रीयता के आंदोलन साम्राज्यवाद के खिलाफ विकसित हो रहा है, तब सारे कम्युनिस्ट पार्टीओं और ताकतो एक झूट होकर क्रांतिकारी कार्य को क्रांतिकारी उत्तेजना के सात आगे ले जाना है। यह ही हो सकता है असली श्रद्धांजलि कामरेड जोस मारियो सिसान को।

कामरेड जोस मारियो सिसान को लाल सलाम!

अभय
प्रवक्ता
केंद्रीय कमेटी